प्रलिम्सि फैक्ट: 14 अक्तूबर, 2021

- [‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ को 'महारत्न' का दर्जा]
- [फ्लावर स्कॉर्पयिनफशि]

‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ को 'महारत्न' का दर्जा

'Maharatna' Status to Power Finance Corporation

हाल ही में सरकार ने राज्य-स्वामत्वि वाली ‘पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन’ (PFC) को 'महारत्न' का दर्जा दयिा है।

- इससे संबंधति आदेश वत्ति मंत्रालय के तहत ‘सार्वजनकि उद्यम वभिाग’ द्वारा जारी कयिा गया है।
- ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ ‘महारत्न’ कंपनयिों की प्रतष्ठिति श्रेणी में प्रवेश करने वाली देश की 11वीं राज्य-स्वामत्वि वाली इकाई बन गई है। ज्ञात हो कि इस श्रेणी में ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ के अलावा **ओएनजीसी**, **इंडयिन ऑयल कॉर्पोरेशन**, **स्टील अथॉरटिी ऑफ इंडयिा लमिटिेड** (सेल) जैसी वशिष्टि कंपनयिाँ शामलि हैं।

प्रमुख बद्दिु

- **‘महारत्न’ का दर्जा:**
  - ‘महारत्न’ व्यवस्था की शुरुआत वर्ष 2010 में सार्वजनकि क्षेत्र के बड़े उद्यमों को वैश्वकि दग्गिज बनाने के उद्देश्य से की गई थी।
    - ‘केंद्रीय सार्वजनकि क्षेत्र के उद्यमों’ (CPSEs) का आशय उन कंपनयिों से है, जनिमें केंद्र सरकार या अन्य CPSE की प्रत्यक्ष हस्सिेदारी 51% या उससे अधकि होती है।
  - ‘महारत्न’ का दर्जा उस कंपनी को दयिा जाता है जसिने लगातार बीते तीन वर्षों में 5,000 करोड़ रुपए से अधकि का शुद्ध लाभ प्राप्त कयिा है अथवा बीते तीन वर्षों के लयिे उसका औसत वार्षकि कारोबार 25,000 करोड़ रुपए था या फरि बीते तीन वर्षों के लयिे उसका औसत वार्षकि शुद्ध मूल्य 15,000 करोड़ रुपए है।
    - ‘केंद्रीय सार्वजनकि क्षेत्र के उद्यमों’ के लयिे भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने हेतु ‘नवरत्न’ का दर्जा प्राप्त करना अनविार्य है।
    - सरकार ने CPSEs को महारत्न, नवरत्न और मनिीरत्न का दर्जा देने के लयिे मानदंड नर्धिारति कयिे हैं।
- **पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC):**
  - वर्ष 1986 में स्थापति ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ वद्युित मंत्रालय के प्रशासनकि नयिंत्रण के तहत बजिली क्षेत्र हेतु समर्पति व्यापक बुनयिादी अवसंरचना वत्ति कंपनी है।
- **महत्त्व**
  - **अधकि वत्तिीय एवं परचिालन क्षमता:**
    - इसके पश्चात् वलिय एवं अधग्रिहण संबंधी शक्तयिों के अलावा ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ एक ही परयिोजना में 5,000 करोड़ रुपए या अपने नविल मूल्य का 15% तक नविेश कर सकता है।
      - ‘नवरत्न’ और ‘मनिीरत्न’ CPSEs क्रमशः 1,000 करोड़ रुपए और 500 करोड़ रुपए नविेश कर सकती हैं।
    - ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ बोर्ड कर्मयिों एवं मानव संसाधन प्रबंधन तथा प्रशक्षिण से संबंधति योजनाओं की संरचना और कार्यान्वयन भी कर सकता है।
  - **प्रतस्पिर्द्धी वत्तिपोषण प्रदान करना:**
    - इस नर्णिय के माध्यम से ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ बजिली क्षेत्र हेतु अधकि प्रतस्पिर्द्धी वत्ति प्रदान करने में सक्षम होगी, जो 'सभी के लयिे 24x7' सस्ती और वश्विसनीय बजिली उपलब्ध कराने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाएगा।
  - **सरकार के एजेंडा को मज़बूती:**
    - ‘महारत्न’ के दर्जे के साथ प्राप्त शक्तयिाँ ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ को **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन** के तहत वत्तिपोषण के सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने में मदद करेंगी, साथ ही इससे वर्ष 2030 तक 40% हरति ऊर्जा की राष्ट्रीय प्रतबिद्धता और 3 लाख करोड़ रुपए से अधकि के परव्यिय के साथ नई संशोधति वतिरण क्षेत्र योजना की प्रभावी नगिरानी और कार्यान्वयन

में भी मदद मिलेगी।

फ्लावर स्कॉर्पयिनफिश

Flower Scorpionfish

हाल ही में फ्लावर स्कॉर्पयिनफिश (Hoplosebastes Armatus) नामक मछली की एक प्रजाति (जो केवल **प्रशांत महासागर** में पाई जाती थी) **हिंद महासागर** में खोजी गई है।

- ग्लोबल वार्मिंग के कारण **समुद्र के तापमान में वृद्धि** ने इस प्रजाति को विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास हेतु आकर्षित किया होगा।

//

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - यह **रे-फिनिश मछली** के क्रम से संबंधित है जिसे **स्कॉर्पेनीफॉर्म (Scorpaeniforme)** के नाम से भी जाना जाता है।
    - इसे लगभग एक सदी पहले वर्ष 1929 में जापान से दूर प्रशांत महासागर में खोजा गया था।
  - स्कॉर्पेनीफॉर्म या बिच्छू मछली परिवार की मछलियाँ समुद्र के सबसे ज़हरीले जानवरों में से हैं।
  - इस प्रजाति का सिर शरीर से तुलनात्मक रूप से बड़ा और लंबा होता है।
  - प्रजातियों की **लंबाई 75-127 मिमी.** तक होती है, जबकि **शरीर की चौड़ाई 14-22 मिमी.** होती है।
  - **स्कॉर्पयिनफिश अपने धब्बेदार रंग पैटर्न के कारण मूंगा और चट्टानी परिवेश के साथ पूरी तरह से घुलमिल जाती है।**
- **प्राकृतिक आवास:**
  - पहले यह केवल प्रशांत महासागर में पाई जाती थी लेकिन इसकी सीमा का विस्तार अब उत्तर-पश्चिमी प्रशांत से हिंद महासागर तक है।
- **स्कोर्पेनफिोर्मिस (Scorpaeniformes):**
  - इसे **मेल-चीक्ड फिश (Mail-Cheeked Fish)** भी कहा जाता है तथा छोटी मछलियों के समूह में से किसी एक समूह की प्रत्येक मछली के गलफड़े (Fish gill) की अस्थियों की विशेष संरचना होती है।
  - ये दुनिया के सभी महासागरों में पाई जाती हैं।
  - माना जाता है कि ये गर्म समुद्री जल में उत्पन्न हुए थे, लेकिन इन्होंने समशीतोष्ण और यहाँ तक कि आर्कटिक एवं अंटार्कटिक समुद्रों के साथ-साथ उत्तरी गोलार्द्ध के ताज़े जल को भी अपने निवास के लिये अनुकूल बना लिया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-14-october-2021